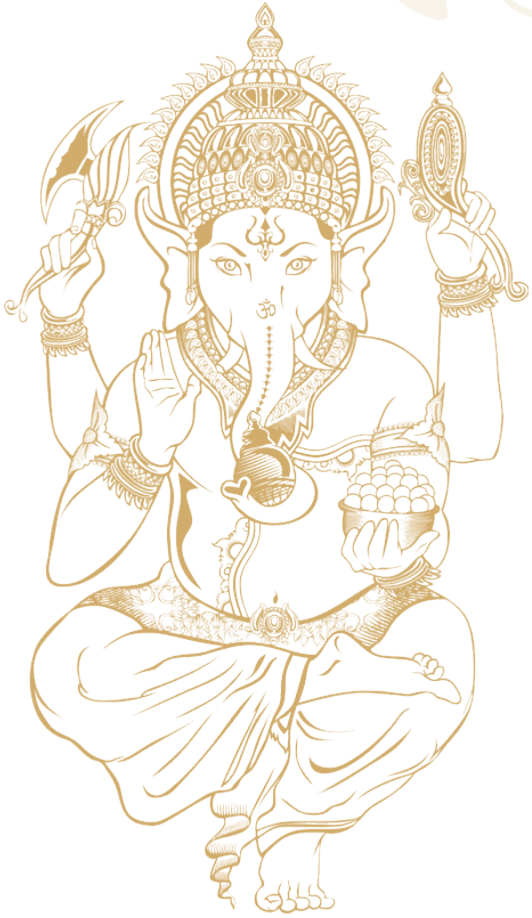

Anurag

Gitika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121878901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121878901 Date: 09/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/09/1992	जन्म तिथि	27/09/1993
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:34:00	जन्म समय	20:06:00 घंटे
घटी 00:57:44	जन्म समय(घटी)	34:48:47 घटी
India	देश	India
Bhopal	स्थान	Thane
23:17:00 उत्तर	अक्षांश	19:12:00 उत्तर
77:28:00 पूर्व	रेखांश	72:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:08	स्थानिक संस्कार	-00:38:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:54	सूर्योदय	06:28:05
18:10:15	सूर्यास्त	18:29:57
23:45:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:26
कन्या	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
तुला	राशि	कुम्भ
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
चित्रा	नक्षत्र	धनिष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	4
ऐन्द्र	योग	धृति
कौलव	करण	कौलव
री-रीतेश	जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 8मा 11दि		15:54:18	कन्या		लग्न		मेष	11:36:40	मंगल 0वर्ष 4मा 21दि	
गुरु		11:24:08	कन्या		सूर्य		कन्या	10:43:36	गुरु	
09/06/2012		03:26:05	तुला		चंद्र		कुंभ	05:55:07	18/02/2012	
09/06/2028		14:49:21	मिथु		मंगल		तुला	06:34:23	18/02/2028	
गुरु	28/07/2014	21:23:09	कन्या		बुध		तुला	01:23:07	गुरु	07/04/2014
शनि	08/02/2017	03:33:55	कन्या		गुरु		कन्या	26:47:21	शनि	19/10/2016
बुध	16/05/2019	09:47:02	तुला		शुक्र		सिंह	13:33:38	बुध	25/01/2019
केतु	21/04/2020	18:19:48	मक	व	शनि	व	कुंभ	00:37:34	केतु	01/01/2020
शुक्र	21/12/2022	01:12:37	धनु	व	राहु	व	वृश्चि	11:20:31	शुक्र	01/09/2022
सूर्य	10/10/2023	01:12:37	मिथु	व	केतु	व	वृष	11:20:31	सूर्य	20/06/2023
चन्द्र	08/02/2025	20:17:41	धनु		हर्ष		धनु	24:27:15	चन्द्र	19/10/2024
मंगल	14/01/2026	22:25:14	धनु		नेप	व	धनु	24:36:15	मंगल	25/09/2025
राहु	09/06/2028	27:20:22	तुला		प्लूटो		तुला	29:47:48	राहु	18/02/2028

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:45:37 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:26

लग्न-चलित

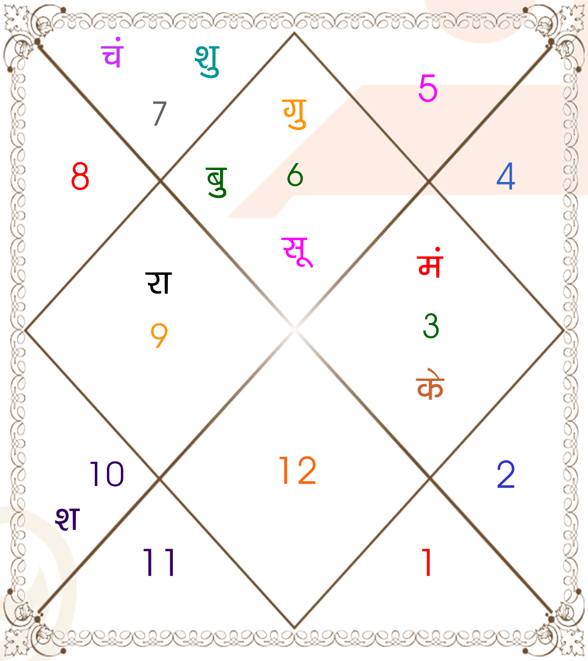

लग्न-चलित

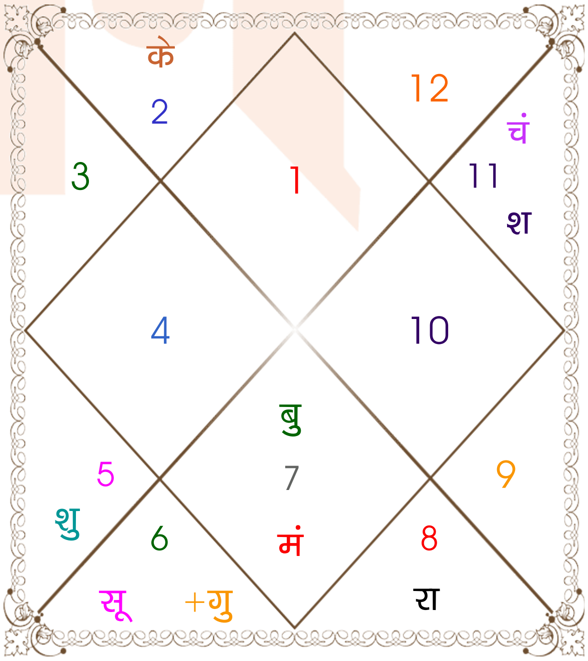

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : **19 / 36**

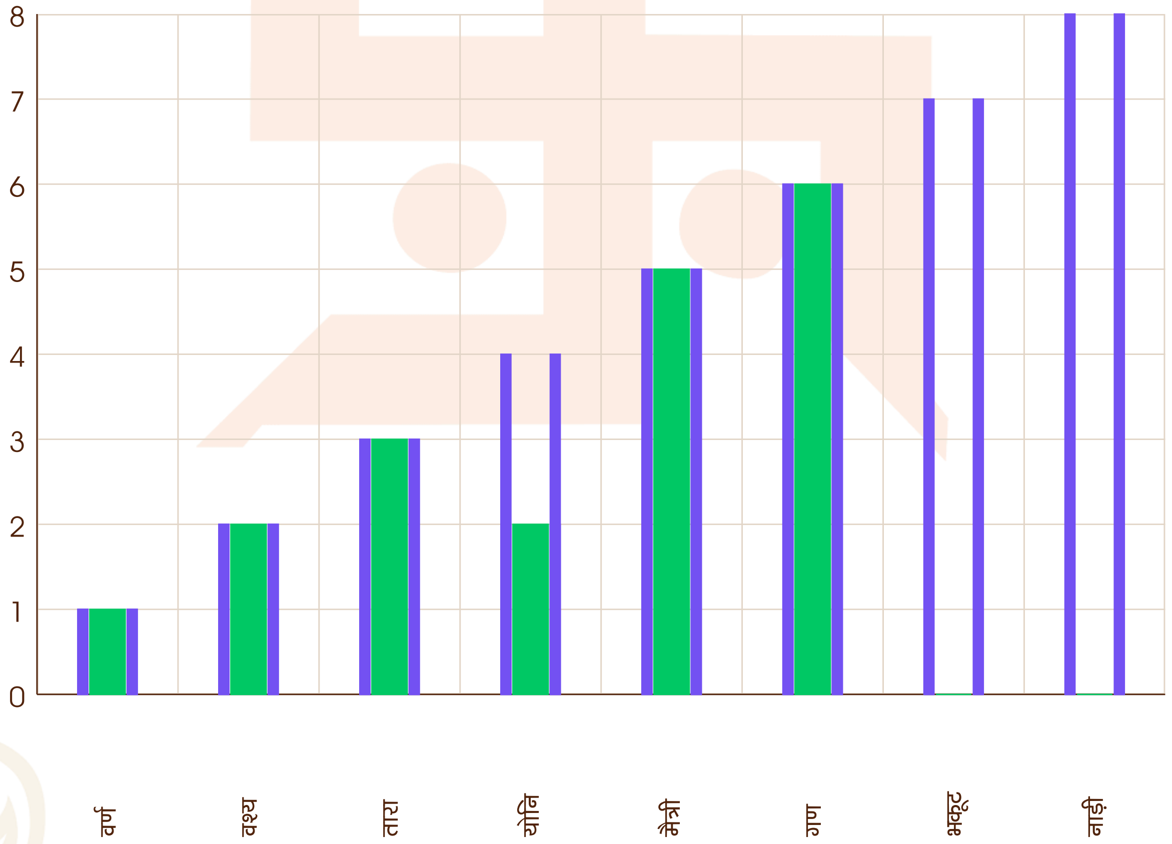

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

।दनतंह का वर्ग मृग है तथा ऌपजपां का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दनतंह और ऌपजपां का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।दनतंह मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ऌपजपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

।दनतंह तथा ऌपजपां में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

।दनतंह का वर्ण शूद्र है तथा ळपजपां का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

।दनतंह का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ळपजपां का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। ।दनतंह एवं ळपजपां दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

।दनतंह की तारा जन्म तथा ळपजपां की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

।दनतंह की योनि व्याघ्र है तथा ळपजपां की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ।दनतंह एवं ऌपजपां दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ।दनतंह एवं ऌपजपां के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ।दनतंह एवं ऌपजपां जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

।दनतंह का गण राक्षस है तथा ऌपजपां का गण भी राक्षस है। अर्थात ऌपजपां का गण ।दनतंह के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण ।दनतंह एवं ऌपजपां दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

।दनतंह से ऌपजपां की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा ऌपजपां से ।दनतंह की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण ऌपजपां को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

।दनतंह की नाड़ी मध्य है तथा ळपजपां की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में ।दनतंह एवं ळपजपां का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

।दनतंह की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा ऌपजपां की राशि भी वायुतत्व युक्त कुम्भ है। वायुतत्व की वायुतत्व से समानता होने पर ।दनतंह और ऌपजपां की स्वभावगत विषेषताएं समान रहेंगी फलतः परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा अतः मिलान उत्तम रहेगा।

।दनतंह की राशि का स्वामी शुक्र तथा ऌपजपां की राशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र भाव में स्थित है। अतः इनके दाम्पत्य संबंध मधुर रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। ।दनतंह और ऌपजपां परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

।दनतंह और ऌपजपां की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर अंहकार के भाव में वृद्धि होगी फलतः एक दूसरे से स्वयं को श्रेष्ठ समझने की प्रवृति उत्पन्न होगी जिससे आपसी संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति कोई विशेष सदभावना नहीं रहेगी। अतः उपरोक्त प्रवृतियों का ।दनतंह और ऌपजपां को यत्नपूर्वक परित्याग करना चाहिए।

।दनतंह और ऌपजपां दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

।दनतंह और ऌपजपां दोनों का वर्ण शूद्र है अतः दोनों की प्रवृति बिना किसी वरीयता के किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से करने की रहेगी। अतः कार्य क्षेत्र में नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे।

धन

।दनतंह और ऌपजपां का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से ।दनतंह और ऌपजपां सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

।दनतंह को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में

समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

ाdनतंह और ळपजपां दोनों मध्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है अतः नाड़ी दोष से ये प्रभावित होंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता का आभास होगा। साथ ही ाdनतंह के लिए मंगल भी अशुभ रहेगा जिससे वे रक्त या पित संबधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानी भी होगी इसके अतिरिक्त धातु या गुप्त रोगों की संभावना भी हो सकती है। इससे परस्पर संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा अतः मिलान के लिए यत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि शुभ फलों की प्राप्ति के लिए ाdनतंह को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का उपवास करना श्रेष्ठ सिद्ध हो सकता है।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ाdनतंह और ळपजपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ाdनतंह और ळपजपां के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ळपजपां के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ळपजपां को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ळपजपां को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ाdनतंह और ळपजपां सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ाdनतंह और ळपजपां का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ळपजपां के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए ळपजपां को धैर्य तथा

बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी ळपजपां को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी ळपजपां के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार ळपजपां का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

।दनतंह के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में ।दनतंह के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण ।दनतंह के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा ।दनतंह भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।